

Ketu Namaskara sloka, peedahara stotra, gayatri & beeja mantra - Gujarati



केतु नमस्कार श्लोकः

इलाशपुष्य संकाशं तारकाग्रह मस्तकं रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहं॥

केतु पीडाहर स्तोत्रं

अनेकरूप वर्णैश्च शतशोथ सहस्रशः। उत्वातरूपी जगतां पीडां हरतु मे तमः॥

केतु गायत्री मंत्रः

ओं जैमिनी गोत्राय विद्महे धूमवर्णाय धीमही। तन्नो केतु प्रचोदयात्॥

केतु बीज मंत्रः

ओं स्रं स्रीं स्रौं सः केतवे नमः॥

Please consider the environment -

do not print unless essential

For Qualitative Predictions & Potential Remedies visit:
www.astrovidya.com